पाठ - गिल्लू

Date
Page

निम्नलिखित प्रश्नो का उत्तर दीजीए -

प्र-1) सोनजूही मे लगी पीली कली को देख लेखिका को मन मे कौन से विचार उमडने लगे ?

उत्तर-> सोनजूही मे लगी पीली कली को देख लेखिका को गिल्लू की याद आ गई। गिल्लू एक गिलहरी थी जिसकी जान लेखिका ने गिल्लू की मौत के साथ के बाद से गिल्लू का पूरा जीवन लेखिका के साथ ही बीता था। लेखिका ने ~~मिल~~ गिल्लू की मौत के बाद गिल्लू के शरीर को उसी सो ~~बी~~ के सोनजूही के पौधे के नीचे दफनाया था इसलिए जब भी लेखिका सोनजूही मे लगी पीली कली को देखती थी उसे लगता था जैसे गिल्लू उन कलियों के रूप में उसे चौंका-ने ऊपर आ गया हैं।

2) पाठ के ~~अनु~~ आधार पर कौए को एक साथ समादरि-त और आनादरित प्राणी क्यों कहा गया हैं ?

उत्तर:- हिंदू धर्म मे ऐसी मान्यता हैं कि पितरपक्ष के समय हमारे ~~पू~~ पूर्वज कौवे के भेष में आते हैं। एक अन्य मान्यता है कि जब कौवा कॉंव-कॉंव करता है तो इसका मतलब होता हैं कि घर में कोई मेहमान आने वाला है। इन कारणों से कौवे को सम्मान दिया जाता है। लेकिन

Scanned with CamScanner

दूसरी ओर, कौवे के काँव काँव करने को अशुभ भी माना जाता है। इसलिए कौवे एक साथ सम्मानित और अनादरित प्राणी कहा गया है।

3. गिलहरी के घायल बच्चे का उपचार किस प्रकार किया गया?

उत्तर- गिलहरी के घायल बच्चे के घाव पर लगे खून को पहले रुई से साफ किया गया। उसके बाद उसके घाव पर पेंसिलिन का मलहम लगाया गया। उसके बाद रुई को दूध में डुबो कर ~~उसके~~ उसे पिलाने की कोशिश की गई जो असफल रही क्योंकि अधिक घायल होने के कारण कमजोर हो गया था। और दूध की बूँदे उसके मुँह से बाहर गिर रही थी।

4. लेखिका का ध्यान ~~आकर्षी~~ आकर्षित करने के लिए गिल्लू क्या करता था?

उत्तर- लेखिका का ध्यान आकर्षित करने के लिए गिल्लू उनके पैरों के पास आ जाता था। यह सिलसिला तब तक चलता रहता था जब तक लेखिका गिल्लू को पकड़ने के लिए दौड़ न लगा देती थी।

5. गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों

Scanned with CamScanner

समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

उत्तर:- लेखिका के घर में रहते हुए गिल्लू के जीवन का प्रथम बसंत आया। नीम-चमेली की खुशबू लेखिका के कमरे में धीरे-धीरे फैलने लगी। लेखिका कहती हैं कि बाहर की गिलहरियाँ उसके घर की खिड़की की जाली के पास आकार चिक-चिक करके न जाने क्या कहने लगी? जिसके कारण गिल्लू खिड़की से बाहर झाँकने लगा। गिल्लू को जाली के पास बैठाकर अपनेपन से इस तरह बाहर झाँकते देखकर लेखिका को लगा कि इसे आजाद करना अब जरूरी है। लेखिका पर लगी जाली कीकीलें निकालकर जाली ~~की कीलें निकालकर~~ का एक कोना खोल दिया और गिल्लू के बाहर जाने का रास्ता बना दिया।

6. गिल्लू किन अर्थों में ~~पक्षि~~ परिचारिका की भूमिका निभा रहा था?

उत्तर:- जब लेखिका अस्पताल से घर आई तो गिल्लू उसके उनके सिर के पास बैठा रहता था। वह अपने नन्हें पंजों से लेखिका के सिर और बाल को सहलाता रहता था। इस तरह से वह किसी परिचारिका की भूमिका निभा रहा था।

Scanned with CamScanner

प्र न.) गिल्लू किन किन चेष्टाओं से यह आभास मिलने लगा था कि अब उसका अंत समय समीप है ?

उत्तर→ ~~गिल्लू ने दिन भर कुछ नहीं खाया था~~

वह गिल्लू ने दिन भर कुछ नहीं खाया था। रात में वह बहुत तकलीफ में लग रहा था। उसके बावजूद वह अपने झूले से उतर कर लेखिका के पास आ गया। गिल्लू ने अपने ठंडे पंजों से लेखिका कि अंगुली पकड़ ली और उनके हाथ से चिपक गया। इससे लेखिका को लगने कि गिल्लू का अंत समय समीप ही था।

~~प्र8) प्रभात की प्रथम किरण के साथ~~

प्र8) प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- प्रभात की प्रथम किरण के स्पर्श के साथ ही वह किसी और जीवन में जागने के लिए सो गया। इस पंक्ति में लेखिका ने पुनर्जन्म की मान्यता को स्वीकार किया है। लेखिका को लगता है कि गिल्लू अपने अगले जन्म में किसी अन्य प्राणी के रूप में जन्म लेगा।

प्र०) सोनजूही की लता के नीचे बनी गिल्लू की समाधि से लेखिका के मन में किस विश्वास का जन्म होता है ?

उत्तर- लेखिका ने गिल्लू को उस जूही के निचे दफनाया था क्योंकि गिल्लू को वह लता सबसे अधिक प्रिय थी। लेखिका ने ऐसा इसलिए भी किया था क्योंकि लेखिका को उस छोटे से जीवका, किसी बसंत में जूही के पील रंग के छोटे फूल में खिल जाने का विश्वास, लेखिका को एक अलग तरह का संतोष देता था।